Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

NATIONAL HEALTH MISSION

आयुष्मान भारत-
स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र

सबके लिए सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा का सपना साकार

स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र निर्धनों के लिए पारिवारिक चिकित्सक के रूप में कार्य करेंगे। पहले के समय में मध्यम एवं उच्च वर्ग के परिवारों में एक पारिवारिक चिकित्सक हुआ करता था। यह आरोग्य केंद्र अब आपके विस्तारित परिवार हो जाएंगे। यह आपके दैनिक जीवन से जुड़ जाएंगे।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

विषयसूची

परिचय 3

अध्याय 1 4
आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र -
सर्व सुलभ सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा

अध्याय 2 8
आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र -
आरोग्य को प्रोत्साहन: चिकित्सा से रोकथाम भली

अध्याय 3 12
आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों के माध्यम से सेवाओं का प्रावधान

अध्याय 4 16
आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों से पहले और पश्चात्

अध्याय 5 19
अब तक की यात्रा

अध्याय 6 28
आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों के माध्यम से बदलाव की बयार

आयुष्मान भारत

परिचय

आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र (एबी-एचडब्ल्यूसी) की शुरुआत आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत की गई थी ताकि सभी आयु के लोगों को चुनी हुई स्वास्थ्य सेवा के बजाय सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराई जा सकें जिसमें निवारक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक, पुनर्वासात्मक और प्रशामक देखभाल सेवाएं शामिल हैं।

2017 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में इन केंद्रों की परिकल्पना, भारत की स्वास्थ्य प्रणाली की बुनियाद के रूप में की गई थी।

ये केंद्र मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा, संचारी एवं गैर-संचारी रोग, वृद्धों के लिए सेवा एवं प्रशामक देखभाल जैसी विविध प्रकार की सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करते हैं। आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र निःशुल्क आवश्यक दवाएं एवं नैदानिक सेवाएं, टैली-रेफरल और योग सहित स्वास्थ्य संवर्धन सेवाएं प्रदान करते हैं।

अध्याय 1 आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र - सर्व सुलभ सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा

2017 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति की शुरुआत की गई थी जिसमें न सिर्फ सार्वभौमिक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा कार्य बल की सिफारिशों को स्वीकृति दी गई थी एवं आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों की स्थापना का अनुमोदन किया गया था,बल्कि यह संकल्प भी लिया गया था कि दो-तिहाई बजट प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के लिए आवंटित किया जाएगा|

वित्त वर्ष 2018-19 के बजट भाषण में आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र योजना की घोषणा की गई थी और इस प्रमुख कार्यक्रम के लिए 1200 करोड़ रूपए का आवंटन किया गया था| आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र कार्यक्रम में **विविध प्रकार के सुधार शामिल हैं जिनमें सेवा प्रदान करने, मानव संसाधन, वित्त व्यवस्था, औषधि एवं नैदानिकी की सुलभता, समुदाय की भागीदारी एवं स्वामित्व तथा प्रशासन जैसे स्वास्थ्य प्रणाली के सभी पहलू शामिल हैं|**

व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा (सीपीएचसी) की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 3000-5000 की जनसंख्या को सेवाएं देने वाले मौजूदा स्वास्थ्य उप-स्वास्थ्य केंद्रों

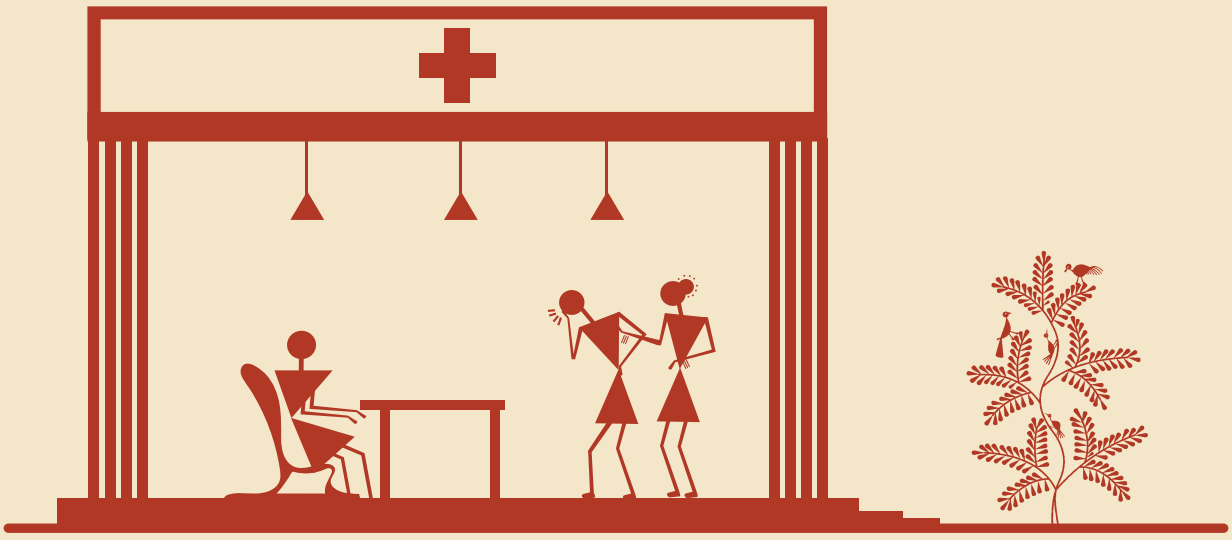

(एसएचसी) को आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र का रूप दिया जा रहा है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को भी आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों का रूप दिया जा रहा है।

व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ आउटरीच सेवाओं, सचल चिकित्सा इकाइयों और गृह एवं समुदाय आधारित सेवा की व्यवस्था भी की जा रही है जिससे निरंतर अटूट सेवा मिल सके और समता, सार्वभौमता तथा शून्य वित्तीय कठिनाई के सिद्धांतों का पालन सुनिश्चित हो सके।

स्वास्थ्य उप-केंद्र: आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र टीम

स्वास्थ्य उप-केंद्र स्तर पर आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में सभी उपकरणों के साथ-साथ उपयुक्त प्रशिक्षण प्राप्त प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा टीम नियुक्त की जाएगी जिसका नेतृत्व एक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) करेंगे। इस टीम में बहुपयोगी कार्मिक(पुरुष/स्त्री) और आशा बहन शामिल होंगे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र: आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र टीम

उप-केंद्र स्तर के आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र समूह से जुड़ा हुआ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अपने कार्य क्षेत्र के दायरे में आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों के लिए अनेक बीमारियों की जांच-पड़ताल के लिए संपर्क का पहला केंद्र होगा। इसके अलावा, इसे आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाएगा ताकि विस्तारित प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं इसके माध्यम से प्रदान की जा सकें।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा अधिकारी का दायित्व यह सुनिश्चित करना होगा कि सीपीएचसी सेवाएं उसके क्षेत्र के सभी आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों और उप प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के ज़रिए प्रदान की जाएं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों की संख्या और योग्यता भारतीय जन स्वास्थ्य मानकों (आईपीएचएस) में परिभाषित मानकों से संचालित होगी।

इस सुधार से पहले स्थिति क्या थी?

1990 और 2015 के बीच राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रमों की प्राथमिकता सहस्राब्दि विकास लक्ष्य हासिल करने की थी और मातृ, शिशु एवं नवजात मृत्यु की स्थिति को देखते हुए इन सेवाओं पर सबसे पहले ध्यान दिया गया।

प्रमाण आधारित निर्णय प्रक्रिया का सीमित उपयोग होने से देश के अनेक हिस्सों में रोगों के बदलते स्वरूप पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा सका।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), ने अपने क्रियान्वयन सूत्र 2012 में अनुशंसा की थी- "निवारक, प्रोत्साहक एवं उपचारात्मक देखभाल सेवाओं की विशाल रेंज को जनता तक पहुंचाने के लिए उप-केंद्र/शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए जाएँ ताकि प्रत्येक परिवार संपूर्ण प्राथमिक देखभाल सेवाओं तक पहुंचने के लिए सबसे पहले इन केंद्रो से सम्पर्क करें।"

उस समय प्राथमिक देखभाल सेवाएं अधिकतर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर तथा मलेरिया, कुष्ठ एवं तपेदिक जैसे कुछ संचारी रोगों तक ही केन्द्रित थी।

दिसम्बर, 2014 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा शुरु करने के लिए एक कार्य बल का गठन किया।

कार्य बल की प्रमुख सिफारिशें 2015 के अंतिम महीनों में तय की गई।

कार्य बल ने सुझाव दिया कि आवंटन बढ़ाना और प्रमुख सुधारों को अपनाना, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक है-

- सेवाओं के पैकेज का विस्तार करके उसे उपलब्ध कराया जाए और देखभाल में निरंतरता सुनिश्चित हो- सेवाओं को रोगी केन्द्रित किया जाए,
- सेवा प्रदान करने वाली संस्थाओं के संयोजन के तरीके में सुधार किया जाए,
- विस्तारित सेवाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराने के उपाय किए जाएं,
- मानव संसाधन का विकास हो,
- नि:शुल्क आवश्यक औषधि एवं नैदानिकी की विश्वसनीय सुलभता हो,
- सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाए,
- देखभाल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उपाय किए जाए,
- प्रबंधन प्रक्रिया में बदलाव किया जाए,
- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के बल पर रोगी एवं प्रदाताओं/प्रशासन वित्त, भागीदारी एवं जवाबदेही, स्वास्थ्य में सामुदायिक भागीदारी और समता से जुड़े सरोकारों को सशक्त किया जाए।

जब इन सुधारों पर सहमति जुटाई जा रही थी उसी दौरान देश के अनेक हिस्सों में सर्वेक्षण से पता लगा कि गंभीर बीमारियों (रक्तचाप, मधुमेह) के बोझ और इससे जुड़े अस्वस्थ आचरण एवं जीवन शैली में वृद्धि हो रही थी।

इसे देखते हुए मंत्रालय ने 2016 के आरंभ में सामान्य गैर-संचारी रोगों के लिए सार्वभौमिक जनसंख्या आधारित जांच कार्यक्रम विकसित किया जिससे जल्दी पहचान, रोकथाम, प्रबंधन एवं नियंत्रण की प्रक्रिया आरंभ की जा सके और अन्य सेवाओं के पैकेज को शामिल करने के लिए पूरी प्रणाली को तैयार रखा जा सके।

अध्याय 2 आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र - आरोग्य को प्रोत्साहन: चिकित्सा से रोकथाम भली

कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं :

- मौजूदा स्वास्थ्य उप-केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र का रूप देना जिससे व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की विस्तारित रेंज की सर्व सुलभता सुनिश्चित हो।

- जनसंख्या नामांकन, नियमित गृह एवं समुदाय संपर्क एवं जन भागीदारी की प्रक्रिया के माध्यम से जन स्वास्थ्य आवश्यकताओं के प्रति जन केन्द्रित सार्वभौमिक और न्यायोचित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना।

- नि:शुल्क आवश्यक औषधि एवं नैदानिकी की सुलभता सुनिश्चित करना।

- स्वास्थ्य जोखिमों और रोग की परिस्थितियों के अनुसार, उच्च गुणवत्ता देखभाल प्रदान करने की व्यवस्था करना जिसके लिए औषधि एवं नैदानिकी की उपलब्धता में समकक्ष विस्तार हो, उपचार एवं रेफरल के मानक नियमों का पालन हो तथा सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों सहित उन्नत तकनीक का उपयोग किया जाए तथा आरोग्य पर बल हो।

- गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए टीम आधारित दृष्टिकोण की संस्कृति अपनाना जिसमें निवारक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक, पुनर्वासात्मक तथा प्रशामक देखभाल शामिल हो।

- आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों और आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के बीच दोतरफा रेफरल प्रणाली के साथ देखभाल में निरंतरता सुनिश्चित करना और बाद में भी देखभाल की सहायता देना।

- स्वास्थ्य संवर्धन पर बल देना (स्कूली शिक्षा एवं व्यक्ति केन्द्रित जागरुकता तथा योग एवं अन्य आरोग्य गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के माध्यम से) और सामुदायिक मंचों तथा अलग-अलग स्वयंसेवकों की क्षमता निर्माण एवं उनके साथ सक्रिय सहयोग के माध्यम से जन स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना।

- स्वास्थ्य देखभाल सलाह एवं उपचार शुरु करने की सुलभता में सुधार करने के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी के उपयोग, रिपोर्टिंग और रिकॉर्डिंग में मदद करना और अंतत: व्यक्तियों एवं परिवारों के बीमारी तथा इलाज का इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड रखने की दिशा में बढ़ना।

- बेहतर प्रदर्शन के लिए जवाबदेही निर्माण हेतु सशक्त मापन प्रणालियां विकसित करना।

- **जन आरोग्य समितियों (जेएएस)** के माध्यम से स्वास्थ्य केंद्रों के सामुदायिक स्वामित्व एवं प्रबंधन को संस्थागत रूप देना।

सेवा पैकेज

स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र में उपलब्ध सेवाएं

- गर्भावस्था एवं प्रसव में देखभाल सेवाएं
- नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं
- बाल्यकाल एवं किशोरावस्था स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं
- परिवार नियोजन, गर्भनिरोधक सेवाएं एवं अन्य प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं
- संचारी रोगों का प्रबंधन,
- मामूली व्याधियों के लिए सामान्य बहिरंग देखभाल
- गैर-संचारी रोगों और तपेदिक एवं कुष्ठ जैसे गंभीर संचारी रोगों की जांच, रोकथाम, नियंत्रण एवं प्रबंधन

धीरे-धीरे जोड़ी जा रही सेवाएं*

- बुनियादी मुख स्वास्थ्य देखभाल
- सामान्य नेत्र एवं ईएनटी समस्याओं के लिए देखभाल
- मानसिक स्वास्थ्य व्याधियों की जांच एवं बुनियादी प्रबंधन
- वृद्धजन एवं प्रशामक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं
- जलने और अभिघात सहित आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं

*अनेक राज्यों ने उपरोक्त सेवाएं जोड़ना शुरु कर दिया है। सेवाओं के सभी बारह विस्तारित पैकेज के लिए दिशानिर्देश जारी किए जा चुके हैं।

चित्र 1 : सीपीएचसी 12 सेवा पैकेज

सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा की पहुंच: आयुष्मान भारत

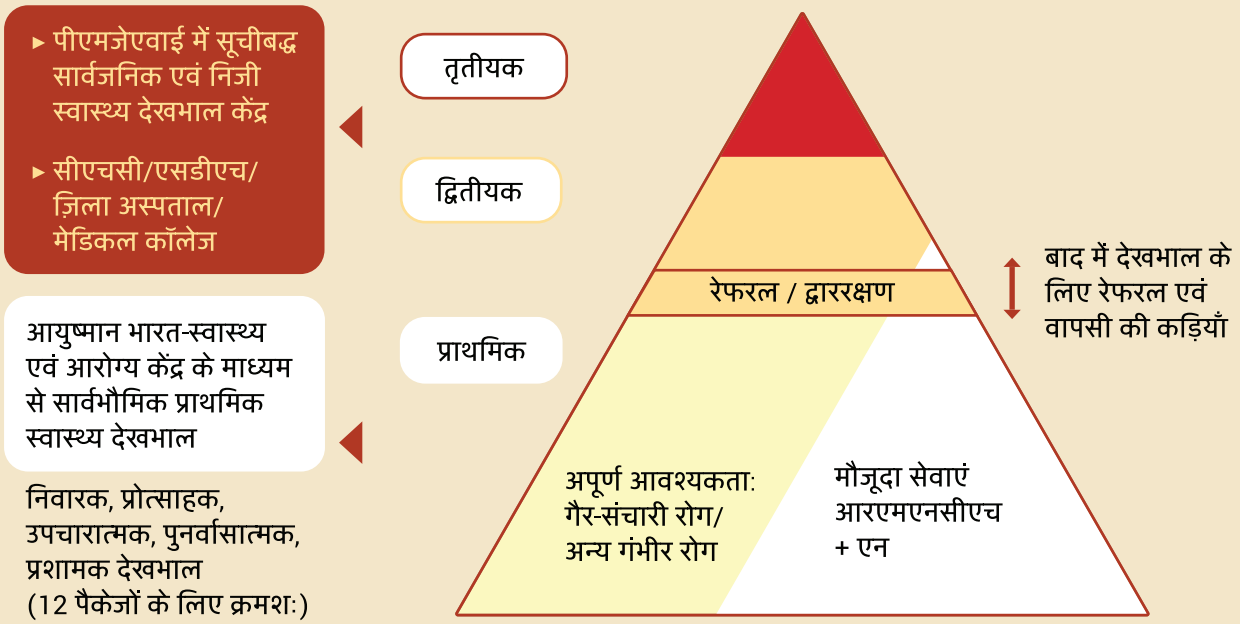

देखभाल का क्रम - सीपीएचसी पीएमजेएवाई

चित्र 1 : 2 आयुष्मान भारत के अंतर्गत देखभाल का क्रम

अध्याय 3 आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों के माध्यम से सेवाओं का प्रावधान

निवारक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक एवं पुनर्वास स्वास्थ्य देखभाल सहित सभी सेवाएं प्रदान करने के तीन स्तर हैं:

i. आउटरीच बहिरंग सुविधा, स्वास्थ्य मेला, ग्राम पंचायत, गाँव और घर-घर जाकर, स्कूल और आंगनबाड़ी के माध्यम से परिवार/घर एवं समुदाय स्तर पर।

ii. आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र।

iii. रेफरल सुविधाएं/ स्थल सेवाएं समुदाय के निकट प्रदान करने और बारीकी से नज़र रखने से सेवाओं का प्रसार बढ़ेगा एवं जनसंख्या के विशिष्ट समूहों के हाशिए पर रहने और सेवाओं के दायरे से बाहर हो जाने की समस्याएं सुलझाने में मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों के लिए रेफरल प्रणाली

उन्नत नैदानिकी और देखभाल की आवश्यकता वाले रोगियों को उपयुक्त ढंग से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अर्थात प्रथम रेफरल इकाई (एफआरयू), आयुष औषधालयों, सीएचसी/डीएच/ आयुष समन्वित अस्पतालों के साथ सुविधाओं, शिक्षण अस्पतालों, राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं आदि में पहले से निर्धारित रेफरल कसौटियों के अनुसार भेजा जाएगा।

स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के विभिन्न स्तरों के बीच दोतरफा रेफरल सुनिश्चित किया जाएगा। रोग की गंभीर स्थितियों में यदि समय-समय पर विशेषज्ञ रेफरल की आवश्यकता होगी तो इस प्रक्रिया में सहायता के लिए टैली-रेफरल मंच का उपयोग किया जाएगा।

अग्रिम देखभाल की आवश्यकता वाले रोगियों को ऐलोपैथिक केंद्रों और अन्य केंद्रों पर भी रेफरल के लिए भेजा जाएगा। इसका निर्णय समुदाय स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) रोगी के मुख्य प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी के साथ परामर्श से करेंगे।

उच्च केंद्रों में भेजकर और वापस आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में रेफरल के ज़रिए देखभाल में निरंतरता सुनिश्चित की जाएगी।

उच्च स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में उपचार पाने के बाद रोगी के घर लौटने पर यह सुनिश्चित करने का दायित्य आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र टीम का होगा कि रेफरल का पालन, दैनिक देखभाल एवं आगे का उपचार सही ढंग से किया जाए।

योजना के प्रमुख अंग

समुदाय का सहयोग

आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र टीम जब समुदाय के साथ मिलकर काम करती है तो व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों में अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेने का ज्ञान और कौशल आता है। आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र व्यक्तिगत संवाद और सोशल मीडिया के माध्यम से स्वास्थ्य साक्षरता सुधारने पर भी ध्यान देता है जिससे गंभीर रोगों के शिकार लोगों में स्वस्थ जीवन शैली-खुराक, योग, व्यायाम, तम्बाकु सेवन छोडना एवं स्वदेखभाल को बढ़ावा मिलता है।

स्थानीय निकायों, पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों एवं रोगियों के प्रतिनिधित्व वाली जन आरोग्य समिति जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का प्रावधान भी है ताकि आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र टीमों की जवाबदेही तय हो और समुदाय उन्हें अपना सकें।

निःशुल्क आवश्यक औषधियों एवं नैदानिकी की सुलभता

आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी द्वारा निर्धारित उपचार योजना के आधार पर दवाओं का वितरण करेंगे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र- आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र में औषधियों की संख्या बढ़ाकर 172 और आवश्यक नैदानिक सेवाओं की संख्या बढ़ाकर 63 कर दी गई है, जबकि स्वास्थ्य उप-केंद्र स्तर के आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में आवश्यक औषधियों की संख्या बढ़ाकर 105 और आवश्यक नैदानिक सेवाओं की संख्या 14 कर दी गई है।

इससे न केवल उपचार जारी रखने और चिकित्सक की सलाह का पालन करने के लिए औषधियों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित होती है, बल्कि निःशुल्क आवश्यक औषधियां उसके घर के निकट मिल जाने से रोगी की कठिनाई भी कम हो जाती है।

सशक्त आईटी प्रणाली

आईटी प्रणाली में आशा के लिए स्मार्ट फोन और बहुपयोगी कर्मियों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के लिए टैबलेट का प्रावधान शामिल है, जिससे व्यक्तियों के सभी सेवाओं एवं परिणामों का रिकॉर्ड दर्ज हो सके, सेवा की गुणवत्ता एवं जवाबदेही में वृद्धि हो सके। रोगी पर घर में/सामुदायिक स्तर पर नजर रखी जा सकती है कि क्या वह उपचार संबंधी अनुदेशों का पालन कर रहा है और उसके जरुरी लक्षणों की माप एवं आगे का उपचार सुनिश्चित किया जा सकता है।

टेली-रेफरल सेवाएं

आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र टेली रेफरल सेवाएं प्रदान करते हैं जिससे सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी से लेकर चिकित्सा अधिकारी तक प्रत्येक स्तर के सेवा प्रदाता द्वितीयक एवं तृतीयक केंद्रों में विशेषज्ञों सहित उच्च स्तरीय रेफरल का लाभ ले सकते हैं और रोगी को यात्रा कम से कम करनी पड़ती है। उसका खर्च और कठिनाई कम हो जाती है।

स्वास्थ्य एवं आरोग्य दूत एवं संदेशवाहक

आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में स्कूली स्वास्थ्य गतिविधियां भी शामिल है। प्रत्येक स्कूल में शिक्षकों को स्वास्थ्य एवं आरोग्य दूत के रूप में और विद्यार्थियों को संदेशवाहक के रूप में सेवा के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। किशोरावस्था में ही जोखिम वाले आचरण अपनाए जाते हैं, इसलिए यह पहल, स्कूल में स्वस्थ आदतें डालने में समर्थ होगी जिससे कम आयु में ही स्वस्थ आचरण अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और जल्दी कार्रवाई शुरु होगी। इस तरह जीवन काल में बाद में होने वाली गंभीर बीमारियों को होने से रोका जा सकेगा।

अध्याय 4 आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों से पहले और पश्चात्

आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों से पहले	आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों के पश्चात्
◆ **चुनी हुई प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं :** प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) और संचारी रोगों तक सीमित: केवल लगभग 20 प्रतिशत स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं की पूर्ति।	◆ **सार्वभौमिक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल:** विस्तारित रेंज की सेवाओं का सार्वभौमिक एवं नि:शुल्क पहुँच के साथ-२ गम्भीर रोग अवस्थाओं एवं गैर-संचारी रोगो को शामिल करना।
◆ प्रजनन आयु वर्ग के पुरुष एवं स्त्रियों पर ध्यान-आरसीएच उन्मुख।	◆ जीवन चक्र दृष्टिकोण अपनाते हुए सभी आयु वर्ग की महिलाओं और पुरुषों में निवारक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक, पुनर्वासात्मक एवं प्रशामक देखभाल पर ध्यान देना।
◆ दूर दराज के केंद्रों में औषधियों की सीमित उपलब्धता के कारण रोगी द्वारा जेब से खर्च करने की मजबूरी और उपचार का पूरी तरह पालन न होना।	◆ अधिकतर बाहरी सुविधाओं में गंभीर बीमारियों के लिए औषधियों की उपलब्धता में वृद्धि से औषधियों पर खर्च में कमी होना।

आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों से पहले	आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों के पश्चात्
	◆ औषधियां और नैदानिकी सुविधाएं निकटतम आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में और आगे की देखभाल समुदाय स्तर पर उपलब्ध होने से उपचार का पालन तथा व्यवहार में बदलाव, समुदाय के निकट सुनिश्चित होता है।
◆ स्वास्थ्य उप-केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के विशाल नेटवर्क का पूरा उपयोग न हो पाना।	◆ एसएचसी/पीएचसी को आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र के रूप में परिवर्तित करने से सार्वभौमिक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (सीपीएचसी) सुनिश्चित और यात्रा खर्च में कमी से रोगी की कठिनाई कम होना।
◆ स्वास्थ्य उप-केंद्र स्तर पर सीमित मानव संसाधन उपलब्धता- एक या दो एएनएम और पांच आशा कर्मी।	◆ एसएचसी-आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र में एक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में टीम सेवाओं की विस्तारित रेंज सुलभ कराने और जन स्वास्थ्य एवं प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को एकजुट करने का काम करती है।
◆ रक्तचाप एवं मधुमेह जैसी गंभीर रोग अवस्थाओं के बारे में निवारक देखभाल एवं प्रोत्साहक देखभाल पर सीमित ध्यान।	◆ प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल टीम द्वारा स्वास्थ्य संवर्धन एवं आरोग्य केन्द्रित प्रयासों से गंभीर बीमारियों के जोखिम कारकों और अन्य रोग अवस्थाओं का निदान।

आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों से पहले	आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों के पश्चात्
◆ प्राथमिक स्तर की स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं द्वाररक्षक का काम नहीं करती जिससे दूसरी स्तर की स्वास्थ्य सेवा देने वाली संस्था में भीड़ होना।	◆ जिला स्तर पर एबी-एचडब्ल्यूसी का मजबूत नेटवर्क होने से प्राथमिक स्तर पर अधिक मामलों को सुलझाया जा सकेगा तथा द्वितीयक एवं तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवा देने वाली संस्था में भीड़ कम होगी।
◆ दूर दराज के स्वास्थ्य केंद्रों में जाने वाले लोगों को टेली-स्वास्थ्य सुविधा सुलभ न होना।	◆ टेली रेफरल/टेली मेडिसिन मंचों के माध्यम से बेहतर नेटवर्क रेफरल संपर्क होगा।
◆ रिपोर्टिंग और निगरानी का काम हाथ से होने के कारण रिकॉर्ड में दोहरापन, कर्मचारियों विशेषकर अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों पर काम का बोझ अधिक रहना।	◆ आईटी मंच उपलब्ध होने से मानक डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड, देखभाल के सभी स्तरों में सूचना के निर्बाध प्रयास की सुविधा एवं देखभाल की निरंतरता सुनिश्चित होती है।
◆ प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में आरोग्य पर सीमित ध्यान।	◆ आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र में रोग सहित आरोग्य गतिविधियां स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की प्रणाली की मुख्यधारा में शामिल की जाती हैं। ◆ आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र स्तर पर योग कराने वालों को भी सक्रियता से जोड़ा जाता है।

अध्याय 5 अब तक की यात्रा

फरवरी, 2018	वित्त वर्ष 2018-19 में आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र के लिए बजट घोषणा
14 अप्रैल, 2018	माननीय प्रधानमंत्री द्वारा जंगला, बीजापुर, छत्तीसगढ़ में प्रथम आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र का उद्घाटन
मई, 2018	व्यापक प्राथमिक सेवा के बारे में राष्ट्रीय परामर्श
जुलाई, 2018	सीपीएचसी के बारे में संचालन दिशानिर्देश निर्धारित
अगस्त-अक्तूबर, 2019	वित्त वर्ष 2019-20 में चार क्षेत्रीय कार्यशालाओं का आयोजन
31 मार्च, 2020	38,595 आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में काम शुरु
12 दिसम्बर, 2020	सेवाओं के विस्तारित पैकेज पर दिशानिर्देश जारी
31 मार्च, 2021	74,947 आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में काम शुरु
14 सितंबर, 2021	77,784 आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में काम शुरु

प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं को मज़बूत करने के लिए इतने अधिक साधनों की आवश्यकता होती है कि वर्ष 2022 तक चरणबद्ध रूप से एबी-एचडल्यूसी को चालू करने की योजना बनाई गई है।

आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र

लक्ष्य एवं उपलब्धियां

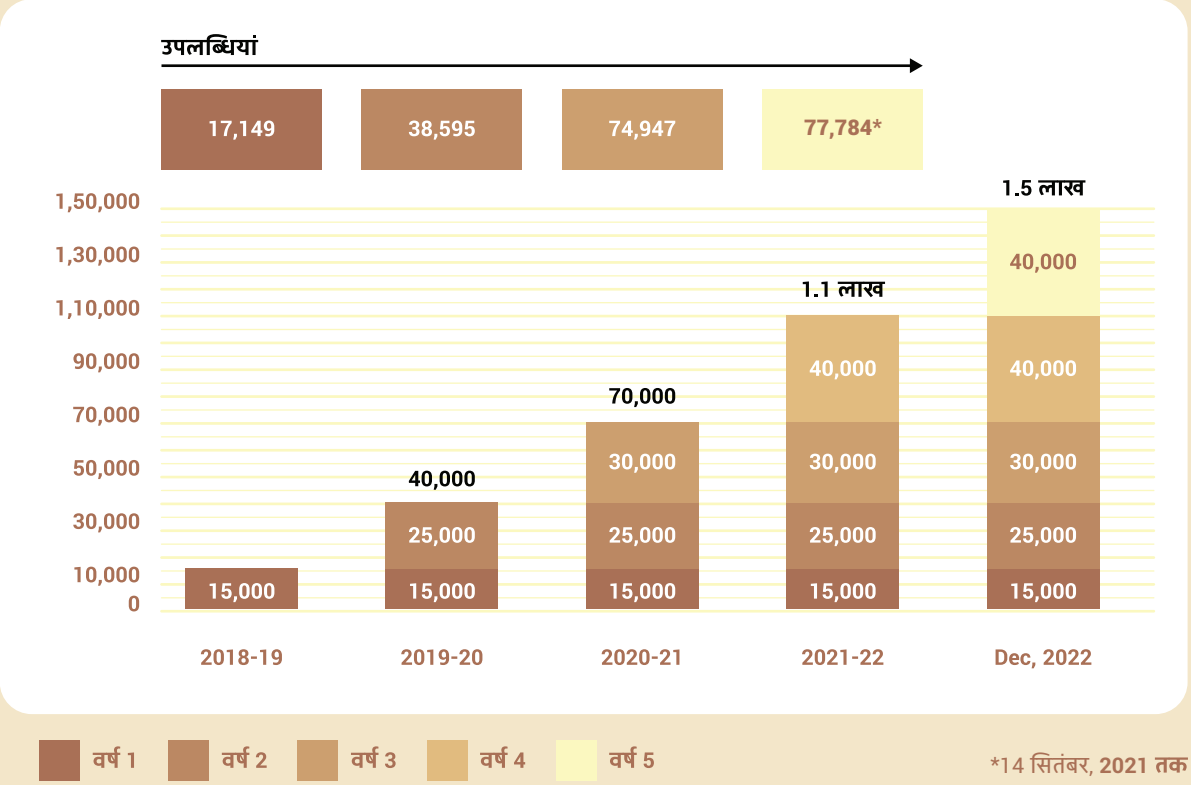

*14 सितंबर, 2021 तक

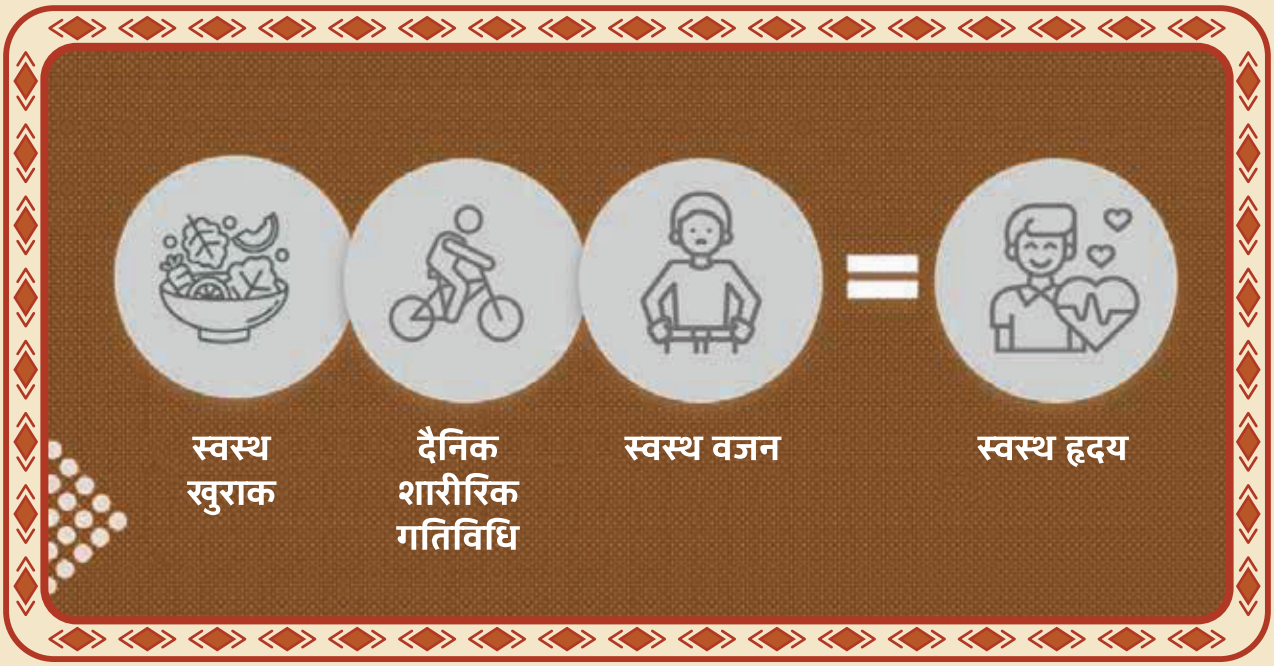

14 सितंबर, 2021 तक आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में **13.06 करोड़ से अधिक रक्तचाप की जांच की गई।**

गैर-संचारी रोग जांच

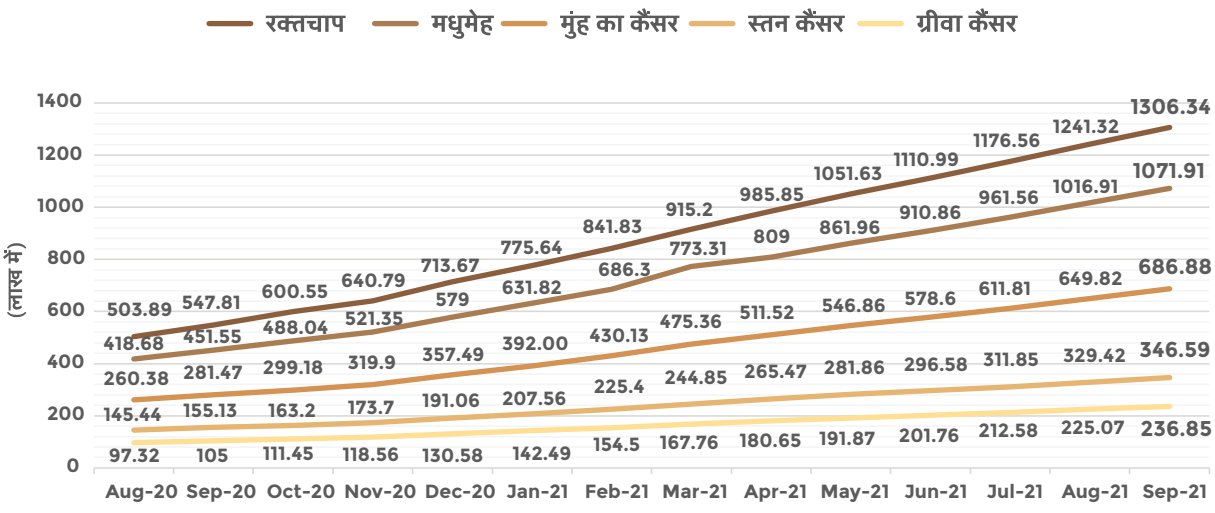

माह-दर-माह संचयी सूचकांक

आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र में संचारी रोगों के लिए देखभाल सुविधा

- उप-स्वास्थ्य केंद्र - आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल टीम वैक्टरजन्य रोग नियंत्रण के लिए समुदाय और स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर हस्तक्षेप के बीच निर्बाध संपर्क स्थापित करती है। आशा, ग्रामीण स्वास्थ्य स्वच्छता एंव पोषण समितियों तथा महिला आरोग्य समितियों के समर्थन से व्यक्तिगत बचाव उपायों के बारे में सामुदायिक स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करती हैं, वैक्टर नियंत्रण के उपाय अपनाती हैं या कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानियों का वितरण करती हैं।

- आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र तपेदिक और कुष्ठ जैसे गंभीर संचारी रोगों के लिए घर पर, समुदाय में और स्वास्थ्य केंद्र आधारित हस्तक्षेपों की व्यवस्था करते हैं।

- आशा समुदाय आधारित आंकलन चेक लिस्ट (सीबैक) के माध्यम से तपेदिक और कुष्ठ दोनों के लिए रोगियों का पता लगाने का काम करती हैं जिससे समुदाय में जागरुकता भी बड़ती है।

- तपेदिक के लिए आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों की टीमों का काम है- घर-घर जाना, रेफरल, संपर्क जांच, नमूना एकत्रित करना और रोगी के परिवहन की व्यवस्था करने के साथ-साथ तपेदिक के उपचार की दवा देना। मधुमेह/एचआईवी जैसे किसी रोग के होने की जांच के लिए जांच केंद्र पर भेजना, आवश्यकता अनुसार एंटी रेट्रो वायरल चिकित्सा केंद्र (एआरटी)/ डीआरटीपी केंद्रों से जोड़ना, निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत नगद प्राप्ति में सुविधा के लिए बैंक खातों का विवरण जुटाना, उपचार के पालन की निगरानी और आगे की देखभाल में सहायता देना।

- कुष्ठ रोग के लिए आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र के माध्यम से आशा आधारित निगरानी प्रणाली अपनाई जा रही है।

- उप-स्वास्थ्य केंद्र-आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र में तपेदिक की सभी औषधियों की व्यवस्था की जा रही है और उन्हें आवश्यकतानुसार रेफरल के लिए टेली मेडिसिन व्यवस्था से जोड़ा जा रहा है।

- आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र के वार्षिक स्वास्थ्य कैलेंडर में अनेक सामान्य संक्रामक रोगों के लिए विशेष आयोजनों की भी व्यवस्था है।

14 सितंबर, 2021 तक 77,784 आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में **62 करोड़ लोग आए और 30 + आयु के व्यक्तियों में मधुमेह की 10.72 करोड़ जांच की गई।**

14 सितंबर, 2021 तक आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में **80 लाख से अधिक आरोग्य सत्र संचालित किए गए।**

सेवा प्रदाय संरचना

स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं	सामुदायिक स्तर पर देखभाल
संचारी रोगों का प्रबंधन और तीव्र सामान्य रोगों और मामूली व्याधियों के लिए सामान्य बहिरंग देखभाल	ज्वर, ऊपरी श्वसन संक्रमण, निचले श्वसन संक्रमण, शरीर में दर्द और सिर दर्द के लिए लाक्षणिक देखभाल एवं आवश्यकता अनुसार रेफरल के लिए भेजना, त्वचा संक्रमणों और घावों की पहचान तथा उन्हें रेफरल के लिए भेजना
	दूषित जलजन्य रोगों जैसे दस्त रोग (हैजा, अन्य एंटराइटिस) और पेचिश, टाइफाइड, हेपेटाइटिस (ए,व,ई) के लिए निवारक उपाय एवं प्राथमिक देखभाल
	हेल्मिंथियासिस और रेबीज के मामलों में बचाव, शीघ्र पहचान एवं रेफरल की आवश्यकता के बारे में जागरुकता पैदा करना
	मस्क्युलो-स्केलेटल विकृतियों मुख्य रूप से ऑस्टियोपोरोसिस, गठिया (अर्थराइटिस) के समाधान के लिए निवारक एवं प्रोत्साहक उपाय और रेफरल तथा निर्देशानुसार आगे का इलाज
	जोड़ों के दर्द, कमर के दर्द आदि तकलीफों के लिए लाक्षणिक देखभाल प्रदान करना

स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र-स्वास्थ्य उप केंद्रों में देखभाल	रेफरल स्थल पर देखभाल
सामान्य ज्वर, एआरआई, दस्त रोग और त्वचा संक्रमण (स्कैबीज और घाव) की पहचान और प्रबंधन	ज्वर, आंत्रशोथ, त्वचा संक्रमण, टाइफाइड, रेबीज, हेल्मिंथियासिस, गंभीर हेपेटाइटिस के सभी जटिल मामलों (भर्ती की आवश्यकता) का निदान और प्रबंधन
हैजा, पेचिस, टाइफाइड, हेपेटाइटिस और हेल्मिंथियासिस रोगों की पहचान और प्रबंधन (आवश्यकता पड़ने पर रेफर करना)	अर्थराइटिस जैसी मस्क्युलो -स्केलेटल विकृतियों के निदान और प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ रेफरल
सामान्य तकलीफों, जोड़ों के दर्द और त्वचा की सामान्य स्थितियों (चकत्ते/ अर्टकारिया) का प्रबंधन	

सेवा प्रदाय संरचना

स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं	सामुदायिक स्तर पर देखभाल
गर्भावस्था एवं प्रसव में देखभाल	गर्भावस्था का प्रारंभिक अवस्था में निदान
	चार बार प्रसव पूर्व जांच सुनिश्चित करना
	पोषण संबंधी आवश्यकताओं की सूचना सहित गर्भावस्था के दौरान देखभाल के बारे में रेफरल
	अत्यधिक जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान और आगे का उपचार
	आंगनबाड़ी केंद्र से राशन घर ले जाने की सुविधा सुलभ करना
	सामान्य एवं रक्त की कमी वाली महिलाओं में आईएफए का पालन सुनिश्चित करने के लिए निगरानी रखना
	संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना तथा जन्म नियोजन में सहायता
	प्रसव उपरांत देखभाल के लिए आना
	प्रसव से जुड़ी और प्रसव के बाद की जटिलताओं की पहचान करना और समय से रेफरल के लिए मदद करना

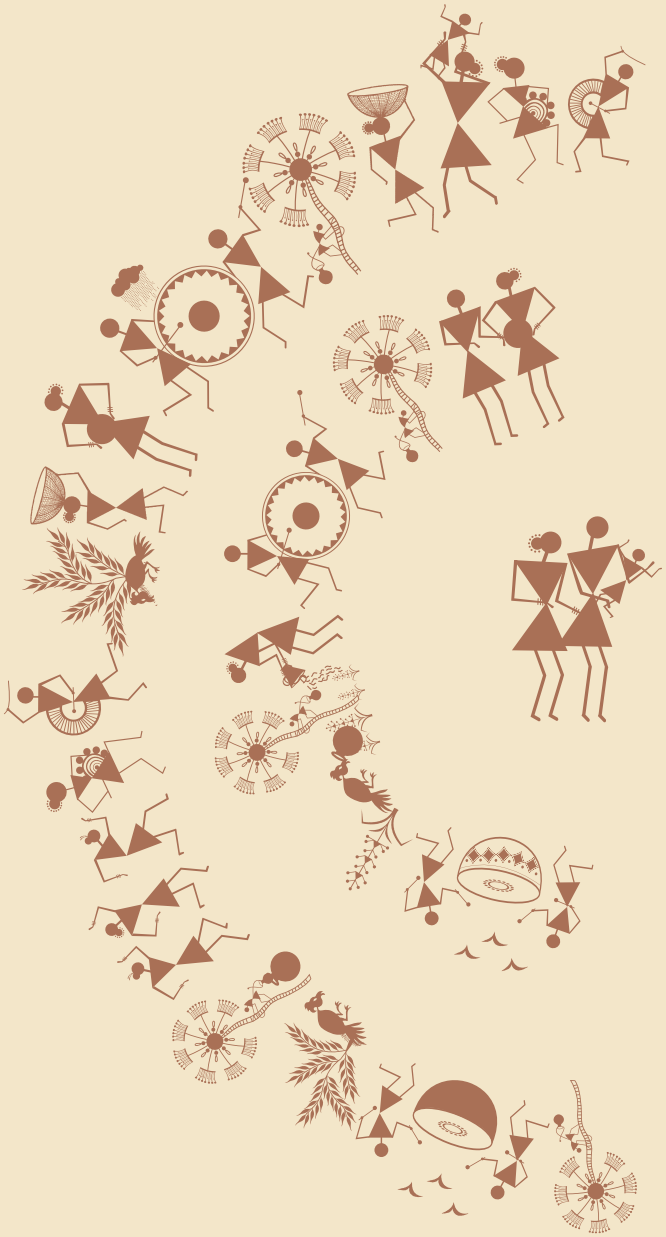

स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र-स्वास्थ्य उप केंद्रों में देखभाल	रेफरल स्थल पर देखभाल
गर्भावस्था का प्रारंभ में पंजीकरण और पहचान संख्या जारी करना तथा मातृ एवं शिशु संरक्षण कार्ड जारी करना	अत्यधिक जोखिम वाले मामलों में प्रसव पूर्व और प्रसव उपरांत देखभाल
	ब्लड ग्रुप की जांच और आरएच टाइपिंग तथा रक्त के नमूनों का परस्पर मिलान
प्रसव पूर्व जांच जिसमें रक्तचाप, मधुमेह, रक्ताल्पता की जांच, गर्भवती महिलाओं के लिए टीकाकरण-टीटी, आईएफए एवं कैल्शियम की पूरक खुराक	निकटतम आईसीटीसी/पीपीटीसीटी केंद्र से एचआईवी की स्वैच्छिक जांच एवं पीपीटीसीटी सेवाओं के लिए संपर्क जोड़ना
गर्भावस्था के दौरान मधुमेह और सिफलिस के मामलों में जांच, रेफरल और उसके बाद देखभाल की व्यवस्था	योनिद्वार से सामान्य प्रसव एवं सहायक की मदद से योनिद्वार से प्रसव
राज्य विशेष की स्थिति के अनुसार निर्दिष्ट प्रसव स्थलों में योनिद्वार से सामान्य प्रसव- जहां मध्य स्तर के प्रदाता या एमपीडब्ल्यू (एफ) कुशल प्रसव सहायक (टाइप बीएसएचसी) के रूप में प्रशिक्षित हों	सीजेरियन सेक्शन जैसी शल्य क्रिया
प्रसूति आपात स्थितियों जैसे एक्लम्पसिया, पीपीएच, सेप्सिस के लिए प्राथमिक उपचार प्रदान करना और रेफरल देना तथा तत्काल रेफरल के लिए भेजना (टाइप बीएसएचसी)	प्रसव से पहले और प्रसव के बाद रक्तस्राव, एक्लम्पसिया, प्रसवोत्तर सेप्सिस, अवरुद्ध प्रसव, गर्भनाल के फंसने, सदमे, गंभीर रक्ताल्पता, स्तन में फोड़े सहित सभी जटिलताओं का प्रबंधन
	रक्त चढ़ाने की सुविधाएं

अध्याय 6 आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों के माध्यम से बदलाव की बयार

हिंदी न्यूज / उत्तर प्रदेश / बरेली

खत्म होगा अव्यवस्थाओं का मर्ज, ग्रामीण क्षेत्रों में लिखी जाएगी बदलाव की नई इबारत

वैश्विक स्वास्थ्य का केंद्र बनेगा भारत, वेलनेस सेंटर की संख्या होगी दोगुनी

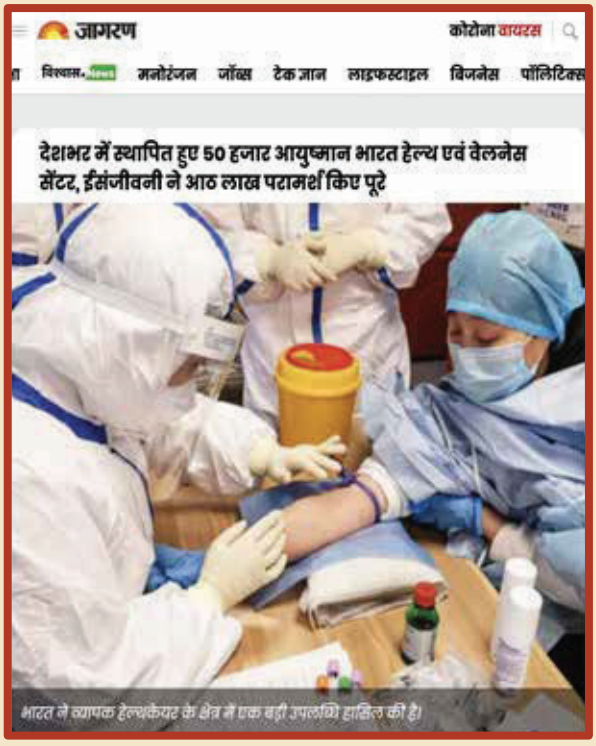

देशभर में स्थापित हुए 50 हजार आयुष्मान भारत हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर, ईसंजीवनी ने आठ लाख परामर्श किए पूरे

भारत ने व्यापक हेल्थकेयर के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

mint

India brings 50,000 Ayushman Bharat centres into operation during pandemic

Existing health and wellness centres have witnessed a footfall of over 28.10 crore of which over 53% have been women. (Mint)

2 min read . Updated: 20 Nov 2020, 10:24 AM IST

Neetu Chandra Sharma

- The union health ministry has announced that 1.5 lakh Ayushman Bharat—Health and Wellness Centres are to be established by December 2022
- The 50,025 operational centres spread across 678 districts include

mint

Ayushman Bharat centres saw 88 mn visits amid covid

A woman gets her temperature checked at a covid-19 screening camp in Mumbai.

2 min read . Updated: 10 Jul 2020, 10:43 PM IST

Neetu Chandra Sharma

The number from Feb to Jun is similar to the footfall recorded in the previous 21 months

TAMIL NADU

In Tamil Nadu, primary health centres have now been transformed into Ayushman Bharat health and wellness centres

Serena Josephine M.

These centres will now screen for diabetes, hypertension and cancer and will also provide trauma care

Business Standard

JUST IN Global bond selloff hits RBI's sixth sovereign auction

You are here: Home » Economy & Policy » News

Ayushman Bharat: Health and wellness centre a booster dose for Chhattisgarh

The third of the four-part series looks at the readiness for Ayushman Bharat in Chhattisgarh, a state which took the lead in the initiative

Topics
Narendra Modi | Health Schemes | Ayushman Bharat

R Krishna Das | Raipur
Last Updated at August 29, 2018 05:30 IST

Follow us on Google News

In the dead of a shivering winter night two years ago, Sammaiyya Cherpa of Pamed village in Bijapur, Chhattisgarh's worst insurgency-hit district, developed serious chest congestion, culminating in acute respiratory problems. He was rushed to the nearest hospital about 60 kms away in Bhadrachalam in the neighbouring state of Telangana.

The 60-year-old farm labourer, whose village lies in the "liberated zone" of the Naxalites, was admitted to a private hospital for his lung infection. When his relatives presented his health card, the hospital authorities in ...

Over 12 lakh people treated for free under Ayushman Bharat; 10000 Wellness Centres operational

The first Health and Wellness Centre (HWC) under Ayushman Bharat was inaugurated by the Prime Minister Narendra Modi at Jangla in Bijapur, Chhattisgarh on April 14, 2018. Since then, 10,252 HWCs have been operationalised.

ET Healthworld.com

1.5 lakh Ayushman Bharat Health & Wellness Centres to be set up by 2022: Survey

Primary healthcare accounts for 52.1 per cent of India's current public expenditure on health as per the National Health Estimates, 2016-17. "Ayushman Bharat- Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (PM-JAY), the world's largest health insurance scheme, is a major step towards providing affordable healthcare to the identified poor," the Survey said.

PTI • February 01, 2020, 04:00 IST

70,000 Ayushman Bharat-Health and Wellness Centres operationalised: Govt

India has marked a key milestone in universalising primary health care with the target of operationalising 70,000 Ayushman Bharat-Health and Wellness Centres (AB-HWCs) by March 31

Topics
Ayushman Bharat | healthcare | Health Ministry

Press Trust of India | New Delhi
Last Updated at March 21, 2021 13:02 IST

India EducationDiary.com

Home | News | State News | Scholarship | Exam | Notification | Competition | Exam Res

Home > Featured > Ayushman Bharat- Health & Wellness Centres (AB-HWCs) have made their presence felt during the times of COVID

FEATURED | NATIONAL NEWS

Ayushman Bharat- Health & Wellness Centres (AB-HWCs) Have Made Their Presence Felt During The Times Of COVID

By India Education Diary ... On Jul 27, 2020

IJCMPH International Journal of Community Medicine and Public Health

Print ISSN: 2394-6032
Online ISSN: 2394-6040

HOME ABOUT LOGIN REGISTER IN PRESS CURRENT ARCHIVES AUTHOR GUIDELINES

Home > Vol 7, No 2 (2020) > Solanki

DOI: http://dx.doi.org/10.18203/2394-6040.ijcmph20200470

Health and wellness centers: a paradigm shift in health care system of India?

Harsom K. Solanki, Rama Shankar Rath, Vijay Silan, Satya V. Singh

Abstract

An ambitious attempt to achieve the goal of universal 'comprehensive' primary care through health and wellness centres under the Ayushmann Bharat Scheme (ABS) has been made by the Ministry of Health and Family Welfare, Government of India. The scheme has widened the package of services available to beneficiaries and it also envisages continuum of care. However, there are pre-existing weaknesses in the three tired public health system in India which may threaten the success of this scheme. In this article we describe and analyze the newer services or initiatives at the health and wellness centres under the ABS. We also attempt to identify the Strengths, weaknesses, threats and opportunities associated with this initiative.

User
Username
Password
Remember me
Login

Journal Content
Search
Search Scope
All
Search
Browse
By Issue
By Author
By Title

Font Size

Springer Link

Review Article | Published: 08 July 2020

Health & Wellness Centers to Strengthen Primary Health Care in India: Concept, Progress and Ways Forward

Chandrakant Lahariya

The Indian Journal of Pediatrics **87**, 916–929 (2020) | Cite this article

5221 Accesses | **7** Citations | **14** Altmetric | Metrics

Abstract

In February 2018, the Indian Government announced Ayushman Bharat Program (ABP) with two components of (a) Health and Wellness Centres (HWCs), to deliver comprehensive primary health care (PHC) services to the entire population and (b) Pradhan Mantri Jan

ट्वीट

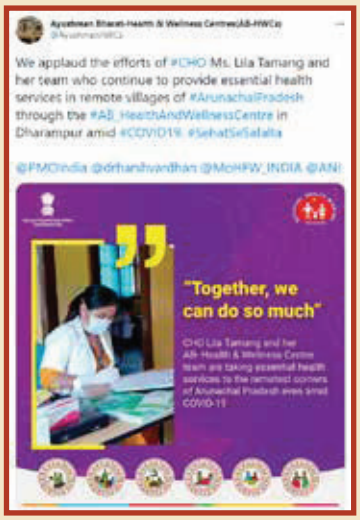

Ayushman Bharat-Health & Wellness Centres(AB-HWCs)
We applaud the efforts of #CHO Ms. Lila Tamang and her team who continue to provide essential health services in remote villages of #ArunachalPradesh through the #AB_HealthAndWellnessCentre in Dharampur amid #COVID19. #SehatSeSafalta
@PMOIndia @drharshvardhan @MoHFW_INDIA @ANI
"Together, we can do so much"

Ayushman Bharat-Health & Wellness Centres(AB-HWCs)
#HumariKahaniya #SehatSeSafalta #ABHWCs
@PMOIndia @drharshvardhan @AshwiniKChoubey

Ayushman Bharat-Health & Wellness Centres(AB-HWCs)
मिलिए महाराष्ट्र के चुलवड गाँव की 35 वर्षीय महिला से जिनकी उनके ही गाँव के एबी-एचडब्ल्यू सेंटर पर स्तन की गाँठ की समय की मुफ्त जांच की गयी एवं उपचार के लिए उन्हें जिला अस्पताल जाने की सलाह दी गयी। #HumariKahaniya #SehatSeSafalta #ABHWCs
@PMOIndia @drharshvardhan @AshwiniKChoubey
35 year-old female patient

NISHTHA @USAID_NISHTHA · Dec 20
Always up for duty! Smita, CHO and her team at #AyushmanBharatHWC Kalipoi, Odisha are always ready to help the community no matter what! #TogetherAgainstCovid19 @MoHFW_INDIA @usaid_india @nhmodisha
THANK YOU HEALTH WORKERS!
MEET SMITA AND HER TEAM OF AB-HWC KALIPOI, ODISHA WHO ARE CONTINUING TO PROVIDE HEALTH SERVICES TO THE COMMUNITY AMIDST COVID-19

NISHTHA @USAID_NISHTHA · Dec 20
'It is my duty as a health worker to ensure that people in my community are well informed and are protected from #COVID19' says Chetna Sharma, CHO of #AyushmanBharatHWC in Madhya Pradesh #HealthForAll @usaid_india @MoHFW_INDIA @ABHWC_MP @BhardwajChhavi
A microphone is a useful tool in containing COVID-1...
As a child, Chetna Sharma dreamed of joining the Indian Army. Although that dream didn't come true,
usaid.gov

Ministry of Health @MoHFW_INDIA · May 30
#IndiaFightsCorona
Ranita Maibam is among the thousands of Community Health Officers of #AyushmanBharatHWCs on the frontlines of India's response to the pandemic. Let's help them by practicing social distancing.

L Jayantakumar Singh
Meet Helena, CHO of #AyushmanBharatHWC who has made 4000 masks for her community to protect them against #COVID19. Let us thank her for her work #TogetherAgainstCOVID19 @MoHFW_INDIA @USAID_NISHTHA @usaid_india @AyushmanHWCs @health_manipur
OFFICER, AB-HWC PHUBALA IN BISHNUPUR, MANIPUR USED HER ONE MONTH INCENTIVE IN MAKING MASKS AND DISTRIBUTING FOOD ITEMS FOR THE LOW INCOME GROUP WITHIN HER COMMUNITY

सेवाएं

क्षेत्र की कहानियां

फोकस दिवस

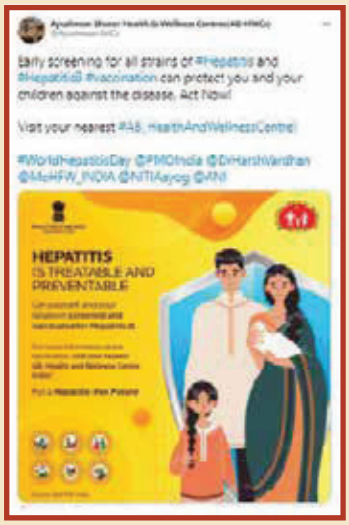

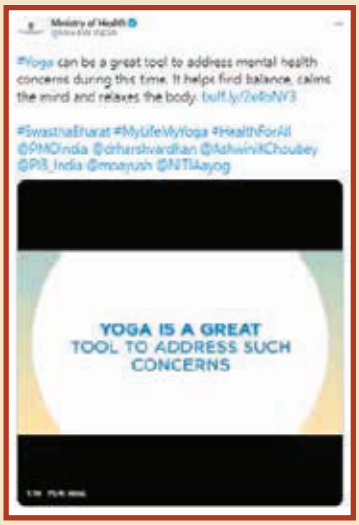

कोविड सहयोग

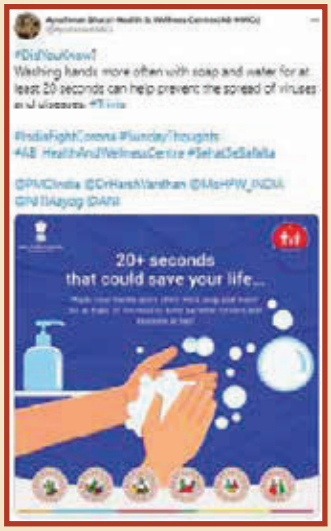

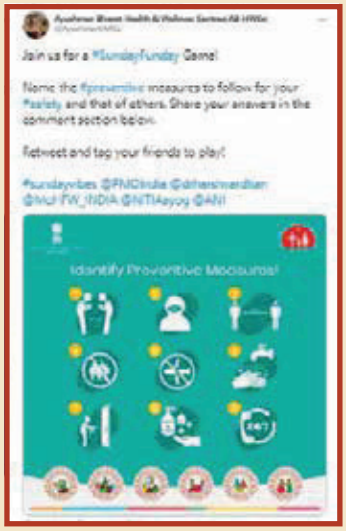

स्वास्थ्य टिप्स

साप्ताहिक अद्यतन

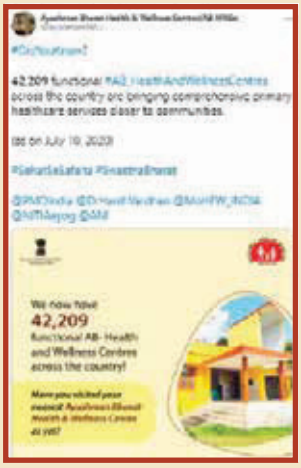

NATIONAL HEALTH MISSION
Ministry of Health & Family Welfare
Government of India
India has crossed a key Milestone in Universal Primary Healthcare!
70,000
Ayushman Bharat
Health & Wellness Centers (HWCs)
operationalised ahead of time, inspite of COVID19
AB-HWC at kiphre (remote and aspirational District), Nagaland
mohfw.gov.in
@MoHFWIndia
@MoHFW_INDIA
@mohfwindia
mohfwindia

NITI Aayog
@NITIAayog
Inhale peace, exhale stress, inhale calm, exhale worry!
#AspirationalDistricts across celebrated #InternationalDayOfYoga with great zeal and energy.
Wishing everyone a very Happy International #YogaDay!
#YogaForWellness
#YogaForHealth
6:08 pm · 21 Jun 2021 · Twitter for iPhone
42 Retweets 1 Quote Tweet 233 Likes

उपशामक देखभाल वाले रोगियों को घर पर ही टीका लगाया जा रहा है
मोबाइल टीकाकरण अभियान
आयुष्मान भारत - हेल्थ एंड वेलनेस, मोबाइल टीकाकरण टीम, केरल

#InternationalDayofYoga
Health & Wellness Centre of Rangdum conducted a beautiful celebration of #InternationalDayofYoga with the community

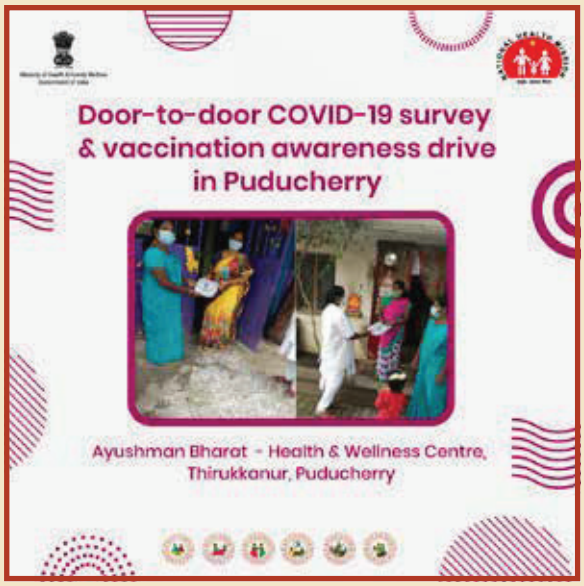
Door-to-door COVID-19 survey
& vaccination awareness drive
in Puducherry
Ayushman Bharat - Health & Wellness Centre,
Thirukkanur, Puducherry

Ayushman Pakhwada 14-28 April
#ABHWCsTurn3
Haryana celebrated the 3rd anniversary of Ayushman Bharat – Health & Wellness Centres
Sub Health Centre – Health & Wellness Centre, Yamunanagar, Haryana

Narendra Modi
@narendramodi
Today, on the auspicious occasion of Ambedkar Jayanti, I was in Bijapur, Chhattisgarh to inaugurate a Health and Wellness Centre. This marks the start of the First Phase of Ayushman Bharat. Sharing my speech on the occasion. facebook.com/narendramodi/v...
9:21 PM · Apr 14, 2018 · Twitter Web Client

PMO India
@PMOIndia
Some facts about Ayushman Bharat that would make you happy. #MannKiBaat
आप ये जानकर हैरान रह जायेंगे कि एक करोड़ लाभार्थियों में से 80 प्रतिशत लाभार्थी देश के ग्रामीण इलाकों के हैं। इनमें भी करीब-करीब 50 प्रतिशत लाभार्थी, हमारी, माताएँ-बहने और बेटियाँ हैं। इन लाभार्थियों में ज्यादातर लोग ऐसी बीमारियों से पीड़ित थे जिनका इलाज सामान्य दवाओं से संभव नहीं था। इनमें से 70 प्रतिशत लोगों की Surgery की गई है। आप अनुमान लगा सकते हैं कि कितनी बड़ी तकलीफों से इन लोगों को मुक्ति मिली है।
'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 31 मई 2020
11:23 AM · May 31, 2020 · Twitter Web App

Narendra Modi @narendramodi · Apr 7
#WorldHealthDay is a day to reaffirm our gratitude and appreciation to all those who work day and night to keep our planet healthy. It's also a day to reiterate our commitment to supporting research and innovation in healthcare.
Narendra Modi @narendramodi · Apr 7
On #WorldHealthDay, let us keep the focus on fighting COVID-19 by taking all possible precautions including wearing a mask, regularly washing hands and following the other protocols.
At the same time, do take all possible steps to boost immunity and stay fit.
Narendra Modi @narendramodi · Apr 7
The Government of India is taking numerous measures including Ayushman Bharat and PM Janaushadhi Yojana to ensure people get access to top quality and affordable healthcare. India is also conducting the world's largest vaccination drive to strengthen the fight against COVID-19.

Narendra Modi
@narendramodi
It would make every Indian proud that the number of Ayushman Bharat beneficiaries has crossed 1 crore. In less than two years, this initiative has had a positive impact on so many lives. I congratulate all the beneficiaries and their families. I also pray for their good health.
8:26 AM · May 20, 2020 · Twitter for iPhone
11.4K Retweets 510 Quote Tweets 79.5K Likes

जब हम स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों की बात करते हैं तो उसका उद्देश्य केवल रोगों का उपचार करना नहीं, बल्कि उनकी रोकथाम करना भी है। हमारे देश में रक्तचाप और मधुमेह के रोगी बहुत बड़ी संख्या में हैं। स्वास्थ्य से जुड़ी 60 प्रतिशत मौतें इन चार रोगों यानी हृद्वाहिका रोग (कार्डियोवैस्कुलर), मधुमेह, श्वसन संबंधी समस्याओं और कैंसर से होती है।

किन्तु यदि समय से इन बीमारियों की पहचान कर ली जाए तो इन रोगों से बचा जा सकता है। इन स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों के माध्यम से रोगों के निःशुल्क निदान की सेवा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

अधिक जानकारी के लिए, कृपया वेबसाइट पर जाएं:
https://ab-hwc.nhp.gov.in/